60

परियोजना का नामः– जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड नौगाँव में बड़कोट तिलाड़ी हल्का मोटर मार्ग को मोटर मार्ग में परिवर्तित करना एवं डामरीकरण का कार्य

प्रपत्र–26

भू–वैज्ञानिक की आख्या

ह0 / –
भू–वैज्ञानिक

नोटः– प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा भू–वैज्ञानिक की आख्या प्राप्त कर प्रस्ताव के साथ संलग्नं

जनपद उत्तरकाशी के विकास खण्ड नौगांव में बड़कोट–तिलाड़ी हल्का वाहन मार्ग के मोटर मार्ग में परिवर्तन एवं सुधारीकरण से सम्बन्धित भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1 निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग बड़कोट के अन्तगर्त बड़कोट–तिलाड़ी हल्का वाहन मार्ग के मोटर मार्ग में परिवर्तन एवं डामरीकरण से सम्बन्धित प्रथम चरण की स्वीकृति प्राप्त है। तिलाड़ी हल्का वाहन मार्ग की कुल लम्बाई 1.975 कि0 मी0 है। यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 123 (507) के कि0 मी0 108 में बड़कोट से आरम्भ होता है तथा पौंटी पुल पार करके नौगांव–पौंटी–राजगढ़ी मोटर मार्ग में मिलकर समाप्त होता है। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग बड़कोट के अनुरोध पर प्रश्नगत मार्ग का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 2.01.2015 को सम्बन्धित कनिष्ठ अभियन्ता के साथ निरीक्षण किया गया।

2 बडकोट–तिलाडी हल्का वाहन मार्ग पूर्व निर्मित मार्ग है, जिस पर यातायात बढ जाने के कारण अब इसे मोटर मार्ग में परिवर्तित किये जाने एवं इसके सुधार की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। निरीक्षण के समय अवगत कराया गया कि प्रश्नगत मार्ग को मोटर मार्ग के मानकों के अनुरूप 5.95 मी0 चौड़ाई में निर्मित किया जाना है तथा मार्ग का डामरीकरण किया जाना है।

3 तिलाड़ी हल्का वाहन मार्ग के क्रास सैक्शन 0/5–6 में तथा 0/10 के बाद कहीं–कहीं आबादी क्षेत्र है जिसमें मार्ग के समीप निजी भवन निर्मित है । मार्ग की आरम्भिक लगभग 200 मी0 लम्बाई में कहीं–कहीं मार्ग धंसता है, जिसका प्रभाव ऊपर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी दिखाई देता है। क्रास सैक्शन 0/22 में उपराड़ी खड्ड मार्ग को पार करता है। जो वर्षा काल में मार्ग की टो का कटाव करता है। उपराड़ी खड्ड के अतिरिक्त एक अन्य छोटा गदेरा 0/11 में काजवे के द्वारा मार्ग को पार करता है। अन्तिम भाग में यह मार्ग, यमुना नदी पर निर्मित सेतु से पार होकर नौगांव–पौंटी–राजगढ़ी मोटर मार्ग से मिलता है। वर्तमान मार्ग के कटान में सामान्यतः कहीं भी चट्टान नहीं है तथा अधिकाशतः earth and boulders है।

4 बडकोट–तिलाड़ी हल्का वाहन मार्ग पूर्व निर्मित मार्ग है जिसकी चौड़ाई बढ़ाई जानी है। वर्तमान परिस्थितियों में निम्न सुझाव दिये जा रहे है। जिनको मार्ग के प्रस्तावित चौड़ीकरण के समय ध्यान में रखा जाना आवश्यक है।

(क) जहां सम्भव हो सके, मार्ग हेतु आवश्यक चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये तथा कटान की ऊंचाई अधिक होने की स्थिति में मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण करा दिया जाये।

(ख) आबादी वाले भाग में जहां बैक कटिंग सम्भव न हो, उस भाग में रिटेनिंग दीवार का निर्माण करके मार्ग हेतु आवश्यक चौड़ाई प्राप्त की जाये। रिटेनिंग दीवार का निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जाये।

(ग) मार्ग के आरम्भिक भाग में जहां मार्ग धसता है, उस भाग में हिल साईड में अधिक कटान न किया जाये तथा कटान के साथ–साथ सुदृढ़ दीवार का निर्माण करा दिया जाये, जिससे ऊपर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग सुरक्षित रहे।

(घ) उपराड़ी खड्ड के द्वारा मोटर मार्ग के नीचे जहां अपने बांये किनारे पर कटाव की सम्भावना हो, ऐसे भाग में टो वाल/प्लम ब्लाक्स के द्वारा समुचित सुरक्षात्मक प्रावधान किये जायें, जिससे मार्ग के नीचे का ढलान सुरक्षित रहे।

(ड.) तिलाड़ी मार्ग जहां पर नौगांव–पौंटी–राजगढ़ी मार्ग से मिलता है, वहां सावधानीपूर्वक मार्ग की चौड़ाई बढ़ाई जाये। बैक कटिंग सम्भव न होने पर रिटेनिंग दीवार का निर्माण कराया जा सकता है।

(च) मार्ग पर वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं क्रास ड्रेनेज का प्रावधान किया जाये।

(छ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

(ज) मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य वर्षा काल में न कराया जाये।

H. Kumar
20.1.15

(हर्ष कुमार),
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0),
लोक निर्माण विभाग।